EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

Securing cable TV and broadband infrastructure has become a critical priority for both service providers and national governments. The increasing reliance on these services for entertainment, communication, and business means that any disruption or breach could have far-reaching consequences.

Cyber threats targeting cable and broadband infrastructure are evolving rapidly. These include Distributed Denial of Service (DDoS) attacks, malware infections, and data breaches, all of which can compromise network integrity and disrupt service delivery. Moreover, as the Internet of Things (IoT) expands, the number of connected devices has skyrocketed, further increasing the attack surface.To mitigate these risks, it's imperative for companies to adopt robust security protocols.

The adoption of Artificial Intelligence in India's cable TV and broadband sectors is a game-changer. From enhancing user experience and optimizing network performance to revolutionizing customer support and securing networks, The LCO and MSO community can take proactive steps to cybersecure their infrastructure and look at incorporating AI cleverly in their infrastructure.

IPTV technology is poised to revolutionize television in India, offering a more dynamic and personalized viewing experience. While challenges remain, the growing demand for digital services, coupled with ongoing advancements in internet infrastructure, suggests that IPTV will become an increasingly important part of India's media ecosystem.

All these technologies will be on display at the Scat India Trade show which will take place in Jio World Convention Centre from October 17-19, 2024. Be there to witness the new technologies.

The MPA report underscores that the Asian entertainment industry is on the cusp of a transformative decade. From 2024 to 2030, the region will witness significant changes in how content is created, distributed, and consumed. By embracing localization, technological advancements, and cross-border collaborations, content creators and distributors can thrive in this dynamic and rapidly evolving landscape.

(Manoj Kumar Madhavan)

केबल टीवी व ब्रॉडबैंड इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करना सेवा प्रदाताओं और राष्ट्रीय सरकारों दोनों के लिए महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गयी है। मनोरंजन, संचार और व्यवसाय के लिए इन सेवाओं पर बढ़ती निर्भरता का मतलब है कि किसी भी व्यवधान या उल्लंघन के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

केबल और ब्रॉडबैंड इंफ्रास्ट्रक्चर को लक्षित करने वाले साइबर खतरे तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें डिस्ट्रीब्यूटेड डेनियल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमले, मैलवेयर संक्रमण और डेटा उल्लंघन शामिल है जो सभी नेटवर्क अखंडता से समझौता कर सकते हैं और सेवा वितरण को बाधित कर सकते हैं। इसके अलावा, जैसे-जैसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का विस्तार होता है, कनेक्टड उपकरण की संख्या आसमान छूती है जिससे हमले की सतह और बढ़ जाती है। इन जोखिमों को कम करने के लिए, कंपनियों के लिए मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल अपनाना अनिवार्य है।

भारत के केबल टीवी और ब्रॉडबैंड सेक्टर में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाना एक बड़ा बदलाव है। उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने और नेटवर्क प्रदर्शन को अनुकूलित करने से लेकर ग्राहक सहायता में क्रांतिकारी बदलाव और नेटवर्क को सुरक्षित करने, एलसीओ व एमएसओ समुदाय बुनियादी ढ़ांचे को साइबरसिक्योर करने के लिए कदम उठा सकते हैं और अपने बुनियादी ढ़ांचे में एआई को चतुराई से शामिल करने पर विचार कर सकते हैं।

आईपीटीवी तकनीक भारत में टेलीविजन क्रांति लाने के लिए तैयार है, जो अधिक गतिशील और व्यक्तिगत देखने का अनुभव प्रदान करेगी। हालांकि चुनौतियां बनी हुई है, डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग, इंटरनेट के बुनियादी ढ़ांचे में चल रही प्रगति के साथ यह सुझाव देती है कि आईपीटीवी भारत के मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जायेगा।

*ये सभी तकनीकें **17-19** अक्टूबर **2024** को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले स्कैट ट्रेड शो में प्रदर्शित की जायेंगी। नयी तकनीकों को देखने के लिए वहां मौजूद रहें।*

*एमपीए रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि एशियाई मनोरंजन उद्योग एक परिवर्तनकारी दशक के मुहाने पर है। **2024** से **2030** तक इस क्षेत्र में कंटेंट के निर्माण, वितरण और उपभोग के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेंगे। स्थानीयकरण, तकनीकी प्रगति और सीमा पार सहयोग को अपनाकर, कंटेंट निर्माता और वितरक इस गतिशील और तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में कामयाब हो सकते हैं।*

(Manoj Kumar Madhavan)